>

Title: Regarding need for intervention by Indian Government to free the historic Gurudwara Bhai Taaru Singhiji in Lahore, Pakistan from the foreceful occupation of the fundamentalists and miscreants.

MR. SPEAKER: Yes, Shri Dhindsa.

...(*Interruptions*)

MR.SPEAKER: Hon. Members, please take your seats. We will go one by one without wastage of time.

श्री सुखदेव सिंह ढींडसा (संगरूर) : महोदय, मैं आपका आभारी हूं कि एक ऐसा इश्यू, जो मैंने क्वैश्चन आवर सस्पेंड करने के लिए दिया था, आपने उस पर मुझे बोलने की इजाजत दी है। दो-तीन दिन से नार्थ- इंडिया के जो मशहूर पेपर्स हैं, इंग्लिश का ट्रिब्यून और पंजाबी का अजीत, इनके फ्रंट पेज में जो लिखा है, मैं आपको वह पढ़कर सुनाउंगा। It is written as:

" Hooligans take over shrine in Lahore"

इन्होंने यह नहीं लिखा। लाहौर का एक अखबार डेली टाइम्स है, उसने लिखा कि वहां पर एक गुरूद्वारा भाई तारू सिंह है, जो बहुत बड़े शहीद हुए हैं और गरीबों की लड़ाई लड़ते हुए जिनकी खोपड़ी उतार दी गयी थी। साठ साल से उस गुरूद्वारे में सिख लोग जाते थे। कुछ गुंडे आए और उन्होंने वहां कब्जा कर लिया। [c6]

MR. SPEAKER: You show that to me, because it is an important issue.

After all, it belongs to another country. Therefore, we should use language carefully. I know. I fully depend on you. I know that you can speak carefully.

SHRI SUKHDEV SINGH DHINDSA : All right, Sir. Thank you very much.

उन्होंने डेली टाइम्स में यह भी लिखा है -

It said: "The Government's action was almost like the way Islamabad hesitated over the Lal Masjid's affairs, and asks President Musharraf to be aware of the potential danger in this development." कल राज्य सभा में भी बड़ा ईशू उठा है। यहां फॉरेन अफेयर्स मंत्री जी बैठे हुए हैं। मैं कहना चाहता हूं कि पाकिस्तान का अखबार ही लिख रहा है कि इससे इतना डेंजर है कि साठ साल के बाद अब उन्होंने एक तख्ती और लगा दी और गुरुद्वारे को लॉक लगा दिया। क्या सरकार ने उसके बारे में कोई बात की? मैं जानना चाहता हूं कि यदि आपने सरकार से बात नहीं की तो क्यों नहीं की और यदि की है तो उनका क्या जवाब है?

श्री रामजीलाल सुमन (फ़िरोज़ाबाद) : अध्यक्ष महोदय, मुझे भी बोलने का मौका दीजिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, आप एसोसिएट कर दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: He is replying.

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI PRANAB MUKHERJEE): I would respectfully like to submit that my attention has been drawn in the morning. When the hon. Member gave the notice, I came to know it. My colleague informed me. I have asked my office immediately to be in touch with our High Commission first. After ascertaining the facts, as the hon. Member has also ascertained, surely I would like to take it up with the Pakistani authorities and try to see that as early as possible the shrine should be released of those unwarranted persons who have forcibly occupied it. Thank you.

MR. SPEAKER: Thank you. Very good. This is right.

Now, Yogi Aditya Nath.

â€¦(व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, मेरा नम्बर था।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपको अपना नम्बर कैसे मालूम हुआ? आपको देखने का हक नहीं है।

â€¦(व्यवधान)